रोजगार देने वाली सोच के साथ आगे बढें छात्र

यूटीयू का प्रथम एथलेक्सि मीट एवं कल्चरल फेस्टिवल संपन्न, तुलाज ने कब्जाई ओवरऑल ट्राफी

विजेता टीम को ट्राफी प्रदान करते काबीना मंत्री सुबोध उनियाल।

सहारा न्यूज ब्यूरो

देहरादून।

वीर माधो सिंह भण्डारी उत्तराखण्ड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (यूटीयू) में प्रथम एथलेटिक्स मीट एवं टेक्नो कल्चरल फेस्टिवल सम्पन्न हो गया। प्रतियोगिता में ओवरऑल ट्राफी तुलाज इंस्टीट्यूट ने अपने नाम की। महिला प्रौद्योगिकी संस्थान उपविजेता रहा।

मंगलवार को सुद्धोवाला स्थित विवि के खेल परिसर में आयोजित समापन समारोह में तकनीकी शिक्षा मंत्री सुबोध उनियाल ने विजेताओं को ट्राफी प्रदान की। बतौर मुख्य अतिथि तकनीकी शिक्षा मंत्री उनियाल ने कहा कि छात्रों को रोजगार देने वाली सोच के साथ आगे बढ़ना होगा। सपनों व सकारात्मकता के साथ आगे बढ़ने पर निश्चित सफलता मिलेगी।

उन्होंने देश व समाज के प्रति जिम्मेदारी का अहसास कराने के लिए कुलपति द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना की। इससे पूर्व अंतिम दिन लांग जम्प, हाई जम्प, गोला फेंक, भाला फेंक, डिस्कस थ्रो, हैमर थ्रो, दौड़ समेत विभिन्न स्पर्द्धाओं के फाइनल मुकाबले हुए। प्रोजेक्ट इनोवेशन में कालेज आफ इंजीनियरिंग रुड़की प्रथम, क्विज में जेबीआईटी, हैकथॉन में बीआईएएस ने पहला स्थान प्राप्त किया। स्पीच में बीआईएएस भीमताल पहले, महिला प्रौद्योगिकी संस्थान दूसरे व महादेवी इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलाजी तीसरे स्थान पर रहा। फोटोग्राफी व शार्ट फिल्म में बीआईएएस भीमताल ने प्रथम स्थान हासिल किया। एथलेटिक्स मीट में शिवालिक कालेज, तुलाज, महिला प्रौद्योगिकी संस्थान, जीबीपीआईईटी घुड़दौड़ी, जेबीआईटी, जीआरडी, एमआईटी, एपीजेएकेआईटी टनकपुर, आरआईटी रूड़की, फैकल्टी ऑफ टैक्नोलाजी यूटीयू, फैकल्टी ऑफ फार्मेसी यूटीयूए देवस्थली विद्यापीठ फार्मेसी कालेज रुद्रपुर, बीएफआईटी, डीबीआईटी, अमृत लॉ कालेज की टीमों भाग लिया। इस मौके पर कुलपति प्रो.ओंकार सिंह, कुलसचिव प्रो.सत्येन्द्र सिह, वित नियंत्रक बिक्रम सिह जंतवाल, परीक्षा नियंत्रक डा.वीके पटेल, महिला प्रौद्योगिकी संस्थान के निदेशक प्रो.आरपीएस गंगवार, डा. अनिल कुमार समेत विभिन्न संस्थानों के निदेशक, प्राचार्य, विवि के अधिकारी, कर्मचारी छात्र-छात्राएं मौजूद थे।

प्रोजेक्ट इनोवेशन में कालेज आफ इंजीनियरिंग रुड़की, क्विज में जेबीआईटी, हैकथॉन में बीआईएएस, स्पीच में बीआईएएस रहा प्रथम